

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ASPA ARCHIVES

776

RESEARCH

२ आदी	सोम	अंग	वृष	वस	सक्र	संय
इदेग	अमृ	शोग	शाम	सम	समयर	कातु
वर	कार	इदेग	अमृत	शोग	सिमशाम	सम
राम	सम	वतु	कातु	इदेग	अमृत	शोग
अमित	शोग	शाम	सम	वतु	कार	इदेग
कातु	इदेग	अमृत	शोग	शाम	सम	वर
सम	वतु	कातु	इदेग	अमृत	शोग	राम
शोग	राम	सम	वतु	कातु	इदेग	अमृत
इदेग	अमृत	शोग	शाम	सम	वतु	कातु

आरीनेरा	श्रीमरा	मंश	रधरा	वधनी	रकरात्रे	सुत्ररा
उदेरा	अमन	लोरा	राभ	रभ	उर	कार
रभ	वध	कार	उदेरा	अमन	लोरा	राभ
अमन	लोरा	राभ	रभ	उर	कार	उदेरा
वर						
कार	कार	उदेरा	अमन	लोरा	लोरा	रभ
रभ	राभ	रभ	वर	कार	उदेरा	अमन
उदेरा	उदेरा	अमन	लोरा	लोरा	रभ	उर
लोरा	रभ	वर		उदेरा	अमन	लोरा
कार	अमी	लोरा	कार	रभ	रभ	कार
राभ	न		राभ	अमन	वर	
उदेरा						

असृतीया न क प्रया

भरुनी न क प्रया

क्रीती का न क प्रया

लोही नी न क प्रया

मृग न क प्रया

आडान क प्रया

पूर्व वसु न क प्रया

पृथ्वी न क प्रया

असृतेषा न क प्रया

मध्य न क प्रया

पूर्व कागरी न क प्रया

उग्र कागरी न क प्रया

हस्ता न क प्रया

सरवाहा

प्रतवाहा

अग्नी नी वा

भरुसि वा

वरावाहा

वीवाहा

परीखावाहा

पूर्व करसवाहा

कोख वाहा

मेत वाहा

लोह वाहा

लोह वाहा

की सि वाहा

देव जात त्रगस्यो

देव जात गजस्यो

राक्षस जात द्रुगस्यो

मनुज जात नागस्यो

देव जात नागस्यो

मनुज जात वीसास्यो

देव जात भतीत्यो

देव जात द्रुगस्यो

राक्षस जात भतीत्यो

राक्षस जात द्रुस्यो

मनुज जात द्रुस्यो

मनुज जात कोसीस्यो

देव जात मेस्यो

देव जात मेस्यो

चित्रानक्षत्रया मद्रसखावाहं
स्थातीताक्षत्रया इहवाहं
विमास्यानक्षत्रया फडवाह
अनुराधानक्षत्रया रुसवाह
कात्यायाक्षत्रया कावल्यावाहं
मृगशिराक्षत्रया लिवाह

राक्षसजात वसतो
देवजात द्रुवास्तो
राक्षसजात व्यासतो
देवजात वरासतो
राक्षसजात मीगस्तो
राक्षसजात वीरास्तो

एवोक्त्वा दनक्षत्रया
उद्राखादनक्षत्रया
सरवनक्षत्रया
येथथानक्षत्रया
ततभीखानक्षत्रया
एवोभदनक्षत्रया

वचीतवा मनुजात माकुसतो
वोयीतवाह मनुजात तासतो
नरवाहं देवजात माकसतो
आरयीजावाह राक्षस सीधसतो
थसावाह राक्षसजात तरसतो
कौयवाह मनुजात सिंहसतो

उत्तमभट्ट नक्षत्रया नीकोयतीवाहां मन्त्रजात तासतो
लेवतिनक्षत्रया वक्रवाहं देवजात कीकसीसं
से

१ पका १ ३१ का १ गृ १ सी १ हा १ थ १ व १ क १ व १ वी १ य १ धा १ स १ थ १ न
सर्वरुत १ पी १ सा १ च १ दं १ गी १ सि १ ग १ र १ य १ म १ द १ त १ का ॥

वृ ॥ सी १ हा १ द १ ता ॥ १ ३१ १ रु १ ज १ इ १ द १ ता १ स १ रु १ म १ र १ द १ ता ॥ १ १ रु १ य १ क १ स १ र
१ द १ ता ॥ १ १ ॥ यी १ का १ द १ ता १ क १ न १ व १ न १ व्या १ नं १ हा १ सी १ सा १ धा १ थ १ न
स १ म १ रा १ ग १ न १ व १ न १ या १ य १ वृ १ प १ द १ य १ का १ ङ १ प १ जा १ या १ य १ ही १ का १ वी १ य १ ध
वृ १ प १ थ १ न १ थ १ म १ या १ क १ रु १ का १ ज १ रु ॥ १५ ॥

१ हँककार भैरु पर पिरता श्री श्री सी देर
देवो हात मई मसाने पर जे को पदे धरती इनी
या बाध दे मोहा हाते कासी का दे मई अव
दे सुते रा वा वा हरत राख ई हँ हँ पर तत्वा हा
ममान सदा थकये

ईश्वरी गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः
श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः
श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः
श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः

२ ॐ गरुनरसीघः कारनरसिघः आकासदेवी
वाधुः आकासजाईपावधरीया नीवाधुः पा
तारजायुजताधारयनीवाधुः सनाकीरां
वाधुः रुपाकीरावाधुः राहाकीरावाधुः रु
डमासवाधुः रितकमासवाधुः वरतीनवा

वाधुः परतीरावाधुः वातैदिसावारैको
नावारैवारोहाकीकात्रपाईवाधुः गरुनरसी
घकीवावा मदीरोहाईजुवातेईसभसक
तिः माहासत्ता नभसमः भभूतईगुतेज
प्रचंदजायेसबहो भूतवेताः दाकीनीबो कसीः

प्रमंत्रः प्रतंत्र हरईः ह म फं त स्वा हा से त ३ ॥ वृ
प ज गा ई न् व ष धी ज ग ड न् व ह र या को आ
द न ध य दी न् वो ती वो क सा वा द न् ॥

प्र नमो गोलसावो ह्येव लाववा धो प्रती प्रमु ॥ ॥ नाना मास्य धीत वक्ष्ये ॥ जनीती सस्य चयम्

प्रनमामि तस्मादीह

॥ १॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥